Bihar Board Class 7 Social Science Geography Notes Chapter 11 मानव पर्यावरण अंतःक्रिया : तटीय प्रदेश केरल में जन-जीवन

पाठ का सार संक्षेप

केरल प्रदेश भारत के पश्चिमी तट पर सूदुर दक्षिण की ओर एक लम्बी संकरी पट्टी के रूप में फैला है । यह अरब सागर के तट पर तो है ही. इसका दक्षिणी छोर हिन्द महासागर में घुसा हुआ है । इसके पूरब में पश्चिमी घाट की नीलगिरि और अन्नामलाई की पहाड़ियाँ हैं। केरल संकरा मैदान है जिसकी अधिकतम चौड़ाई 100 किमी है । मैदान नदियों द्वारा बहाकर लाई मिट्टी से बना है। मैदान के तीन भाग हैं :

(1) तटीग भाग, जो बलुई है । (2) बलूई भाग के पूरब में उपजाऊ काँप मिट्टी का मैदान है । (3) मैदान के पूरब की ओर पहाड़ी भाग है, जो प्राचीन चट्टानों से बना है । यहाँ दो बार वर्षा होती है । पहली वर्षा मानसून आने के शुरुआत में और दूसरी मानसून के लौटते समय । ऐसे समुद्री तट पर अवस्थित होने के कारण सालों भर वर्षा होती ही रहती है ।

ग्रीष्म ऋतु में औसत तापमान 32°C तथा शीत ऋतु में 23°C रहता है ।
यहाँ वार्षिक तापांतर 2°C से 5°C तक रहता है । इस प्रकार यहाँ की
जलवायु सम और नम है। यहाँ न तो जाड़े में अधिक जाड़ा पड़ता है
और न गर्मी में अधिक गर्मी पड़ती है । यहाँ वार्षिक औसत वर्षा 200 सेमी या इससे भी अधिक पड़ती है । यहाँ की जलवायु उष्ण-आर्द्र मानसूनी प्रकार की है।

प्रदेश का 1/4 भाग वनाच्छादित है । उच्च तापमान और अधिक वर्षा के कारण यहाँ सघन सदाबहार बन पाये जाते हैं । सागवान, चंदन, सुपारी, नारियल, रबर, बाँस यहाँ के मुख्य पेड़- पाने हैं ।

यहाँ केला भी खूब होता है। यहाँ की मुख्य उपज चावल, नारियल, का-‘ मिर्च, कहवा, काज, इलायची, रबर, चाय, सुपारी, गरम मसाले आदि हैं। तटीय क्षेत्र में मछलियाँ पकड़ी जाती हैं । यहाँ धान के खेत में मछली पालन का भी काम होता है । चावल और मछली यहाँ का मुख्य भोजन है। सुपारी, मसाले, अन्नानास, गन्ना आदि नकदी फसलें हैं। यहाँ के वनों में अनेक

वन्य जीव पाये जाते हैं । हाथी, बंदर, किंग कोबरा, विभिन्न प्रकार के पक्षियों की बहुलता है । यहाँ हिन्दू, इस्लाम तथा इसाई धर्म को मानने वाले हैं, जो सभी धार्मिक प्रवृति के हैं । इस्लाम यहाँ का मुख्य धर्म है । यहाँ गंगा-यमुना संस्कृति अत्यंत महत्त्वपूर्ण है । यहाँ की नौका दौड़ विश्व में प्रसिद्ध है । ‘कत्थकली’ नृत्य नाटिका है । मोहनी अट्टम प्रसिद्ध नृत्य है। मलखम्भ यहाँ का मुख्य खेल है । सबरीमाला के मंदिर प्रसिद्ध तीर्थ स्थल हैं। मंदिर ऊँची पहाड़ी पर अवस्थित हैं। भारत के अन्य राज्यों की अपेक्षा साक्षरता दर यहाँ सर्वाधिक है । यहाँ मोनोजाइट, जिप्सम, थोरियम, यूरेनियम आदि खनिज पाये जाते हैं ।

यहाँ चीनी मिट्टी, चूना-पत्थर और ग्रेफाइट भी मिलता है ।
तिरुवनन्तपुरम, अलवाये, पुन्नलूर, कोजीकोड केरल के प्रमुख
औद्योगिक नगर । हैं। केरल की अधिकांश जनसंख्या गाँवों में निवास

https://www.evidyarthi.in/

करती है। यहाँ का

जनघनत्व 2000 से 4000 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी है । यहाँ सड़क, रेल और . वायु मार्ग की सुविधा तो है ही, जल मार्ग का उपयोग भी खूब होता है । तट पर बन चुके लेंगून झीलों को एक में मिलाकर जल मार्ग बनाया गया है । फलस्वरूप नाव से भी एक कोने से दूसरे कोने में जाया जा सकता है ।

केरल का मुख्य नाश्ता और भोजन चावल, इडली, डोसा, सांभर, पट, उत्पम, अवियल, उपमा, अटपम तथा नारियल से बनी खाद्य सामग्री, मछली और समुद्री उत्पाद है। यहाँ केले के पत्ते पर भोजन परोसा जाता है।

महिलाएँ पेटीकोट, साडी, ब्लाउज पहनती हैं । परुष कमीज और लुंगी पहनते हैं । पुरुष धोती कुरता भी पहनते हैं । पुरुप चंदन का तिलक लगाते हैं। महिलाएँ फूलों से बालों को सजाती हैं। छाता सबके हाथ में दिखाई देता है।

https://www.evidyarthi.in/